http://www.pssouonline.com

21. हंस विलाप का वर्णन कीजिए।

22. हिमालय का वर्णन 'कुमारसम्भव' के आधार पर प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—इ

23. "नैषधं विद्वदौषधम्" कथन की वृहद् समीक्षा कीजिए।

अथवा

24. महाकाव्य के लक्षण को प्रस्तुत करते हुए, 'कुमारसम्भव' की विस्तृत समीक्षा कीजिए।

H–2245

M. A. (Final)
Term End Examination, June-July, 2017

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र

(गद्य एवं काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 28*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक 01 से 08 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 या 2 शब्दों/1 वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक 09 से 14 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक 15 से 18 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये।

http://www.pssouonline.com

http://www.pssouonline.com

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक 19 से 22 तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक 23 एवं 24 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600-750 शब्दों में दीजिये।

खण्ड—अ

समुचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. नमसि ------ मास को कहते हैं।
2. रेवा नदी ------ पर्वत की तलहटी में बहती है।
3. हे मेघ ! तुम्हारा एक क्षण भी ------ से वियोग न हो।
4. मेघ की समता ------ से की गई है।
5. हंस विलाप का वर्णन नैषध के ------ सर्ग में है।
6. श्रीहर्ष की शैली ------ के नाम से प्रसिद्ध है।
7. कुमारसम्भव का आरम्भ ------ पर्वत वर्णन से है।
8. दीपशिखा की उपाधि ------ कवि को प्राप्त है।

खण्ड—ब

निम्नाङ्कित में से किन्हीं **चार** की व्याख्या कीजिए—

9. कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाऽचेतनेषु।
10. रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय।
11. कान्तोदन्तः सुहृदुपनतः सङ्गमात्किञ्चिदूनः।

12. उदिते तु नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारविः।
13. एको हि दोषो गुणसन्निपाते निमज्जतीन्दोः किरणेष्विवाङ्कः।
14. उमेति मात्रा तपसो निषिद्धा पश्चादुमाख्याँ सुमुखी जगाम।

खण्ड—स

निम्नाङ्कित में से किन्हीं **तीन** श्लोकों की सप्रसङ्ग व्याख्या प्रस्तुत कीजिए—

15. आपृच्छस्व प्रियसखममुं तुङ्गमालिङ्ग्य शैलं
    वन्द्यैः पुंसां रघुपतिपदैरङ्कितं मेखलासु।
    काले काले भवति भवतो यस्य संयोगमेत्य
    स्नेहव्यक्तिश्चिरविरहजं मुञ्चतो वाष्पमुष्णम्॥

16. तत्रागारं धनपतिगृहादुत्तरेणास्मदीयं
    दूराल्लक्ष्यं सुरपतिधनुश्चारुणा तोरणेन।
    यस्योपान्ते कृतकतनयः कान्तया वर्धितो मे
    हस्तप्राप्यस्तवकनमितो बालमन्दारवृक्षः॥

17. जगज्जयं तेन च कोशमक्षयं प्रणीतवान् शैशवशेषवानयम्।
    सखा रतीशस्य ऋतुर्यथा वनं वपुस्तथाऽऽलिङ्गदथास्य यौवनम्॥

18. तां हंसमालाः शरदीव गंगां महौषधिं नक्तमिवात्मभासः।
    स्थिरोप देशामुपदेशकाले प्रपेदिरे प्राक्तनजन्मविद्याः॥

खण्ड—द

निम्नाङ्कित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

19. मेघमार्ग का वर्णन कीजिए।
20. यक्षिणी की विरह दशा का वर्णन कीजिए।

http://www.pssouonline.com